|b09291 44cookmF (English)

|c09291_000_44cookm.xml (Task 179040)

|v1

रविवार का प्रातःकालीन सत्र

|v2

जनरल सम्मेलन

|v3

रविवार का प्रातःकालीन सत्र

|v4

3 अक्टूबर 2010

|v5

विश्वासियों का उदाहरण बनें

|v6

उदाहरण

|v7

विश्वास

|v8

चरित्र

|v9

स्तर

|v10

युवा

|v11

जनरल सम्मेलन

|v12

विश्वासियों का उदाहरण बनें

|v13

मेरी एन. कुक द्वारा

|v14

युवतियों की जनरल अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार

|v15

मैं आपको ''विश्वास [और] शुद्धता में ... विश्वासियों का ... उदाहरण बनने'' का निमंत्रण देती हूं ।

|v16

कुछ समय पहले छोटी सी रूबी ने हमारे परिवार में जन्म लिया था । जब मैंने उसके सुंदर मुखड़े को देखा, मैं उस जानकारी पर आश्चर्यचकित हुई कि पृथ्वी पर जन्म लेने से पहले वह हमारे स्वर्गीय पिता की उपस्थिति में रहती थी । उसने उनकी आनन्द की महान योजना को स्वीकार किया था और उन्हें और हमारे उद्धारकर्ता, यीशु मसीह का अनुसरण करना चुना था ।1 उसके निर्णय के कारण, नश्वरता का अनुभव करने और अनन्त जीवन की तरफ उन्नति के लिए पृथ्वी पर आने की उसे अनुमति दी गई थी । अपनी आत्मा और शरीर के साथ, रूबी ने सीखने के समय में प्रवेश किया था जिसमें वह स्वयं को सिद्ध कर सके, मसीह के अनुसरण को चुन सके, और अनन्त जीवन के प्रति योग्य होने की तैयारी कर सके ।

|v17

रूबी इस पृथ्वी पर निर्मल आई थी, परन्तु योजना के तहत, वह कष्टों और प्रलोभनों का सामना करेगी और वह गलतियां भी करेगी । हमारे उद्धारकर्ता के प्रायश्चित के कारण, रूबी को क्षमा किया जा सकता है, वह परिपूर्ण आनन्द प्राप्त कर सकती है, और फिर से पवित्र हो कर---हमारे स्वर्गीय पिता की उपस्थिति में सदा के लिए रहने को तैयार हो सकती है ।

|v18

उसके जन्म के कुछ घंटों के पश्चात, मुझे इस अनमोल बच्ची को बांहों में लेने का अवसर मिला था । मैंने उसकी मां से कहा, ''ओह, हमें रूबी को सीखाना होगा कि कैसे एक सदगुणी स्त्री बने, शुद्ध और अनमोल जैसा कि उसका नाम दर्शाता है ।''2

|v19

उसकी मां ने जबाव दिया, ''मैं आज ही से आरंभ करती हूं ।''

|v20

''आज से आरंभ'' करने के लिए रूबी की मां क्या करेगी ? किस प्रकार से हम माता-पिता, दादा-दादी/नाना-नानी और मार्गदर्शकों के रूप में आरंभ क र सकते हैं और अपने बच्चे---अपने युवाओं---को अनन्त जीवन के मार्ग पर रख सकते हैं ? हमें ''विश्वासियों का [उदाहरण] … बनना'' होगा ।3

|v21

भविष्यवक्ता ब्रिगहम यंग ने कहा थाः ''हमें कभी भी वह काम नहीं करना चाहिए जिसे हम अपने बच्चों को करता हुआ नहीं देखना चाहते हैं । हमें उ नके लिए एक ऐसा उदाहरण बनना चाहिए जैसा कि हम चाहते हैं कि वे बनें ।''4 हममें से हर कोई उस प्रकार का अच्छा उदाहरण बन कर ''आज से आरंभ'' कर सकता/सकती है ।

|v22

आज मैं आपको उद्धार के लिए जरूरी दो सिद्धान्तों ''विश्वास में … [और] शुद्धता में विश्वासियों का उदाहरण … बनने'' के लिए आमंत्रित करना चाहती हूं ।5

|v23

विश्वास से विश्वासियों का उदाहरण बनें । अपने बच्चों को वचन और उदाहरण द्वारा गवाही देने की तैयारी के लिए, सक्रिय रूप से अपने स्वयं के विश्‍ वास और यीशु मसीह की गवाही को मजबूत करें ।

|v24

मैं एक महान मां के बारे में बताती हूं जिसका जीवन विश्वास का एक उदाहरण था । जब भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ एक छोटे से लड़के थे, उन्होंने अ पनी मां लूसी मैक स्मिथ को ध्यानपूर्वक देखा था और उनसे परमेश्वर में विश्वास के बारे में सीखा था । लूसी धर्मशास्त्रों को पढ़कर उत्तर प्राप्त किया क रती थीं, 6 और जोसफ ने भी उसी आचरण को अपना लिया था, मार्गदर्शन के लिए बाइबिल को पढ़ना जैसा कि उनकी मां किया करती थीं ।7

|v25

व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना कर प्रभु की सहायता प्राप्त करके लूसी परिवार की समस्याओं का समाधान भी किया करती थीं । एक दिन, धर्म के विषय पर अपने परिवार में मनमुटाव का अनुभव करते हुए, लूसी ने कहा ''वह पास ही के अच्छे जंगली चैरी के पेड़ों के उपवन में गईं और प्रभु से प्रार्थना क ी ।''8

|v26

लूसी ने तब भी पूरे विश्वास से प्रार्थना की जब उसने व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्याओं का सामना किया था, जब पैरों में खतरनाक घाव के कारण हड्डियों के सड़ने से जोसफ ने लगभग अपना पैर खो दिया था, और जब जोसफ की बहन सोफ्रोनिया टाइफाइड बुखार से लगभग मर चुकी थी । सोफ्रोनिया क ी बीमारी के विषय में, लूसी ने लिखा था, ''मैंने अपने बच्ची को निहारा था । … मैंने और मेरे पति ने एक दूसरे के हाथों को एक साथ पकड़ा और बिस्तर के बगल में अपने घुटनों पर हो कर और अपनी याचना और दुख को उसपर प्रकट किया था ।''9 सोफ्रोनिया ठीक हो गई । मुझे पूरा विश्वास है कि लूसी के बच्चों ने अक्सर विश्वास के साथ उन्हें प्रार्थना करते और उन प्रार्थनाओं का उत्तर प्राप्त करते देखा होगा ।

|v27

लूसी ने मार्गदर्शन के लिए विश्वास से प्रार्थना की था, और जोसफ भी पेड़ों के उपवन में गए थे, जहां उन्होंने विश्वास से प्रार्थना की, प्रभु से उत्तर चा हते हुए जैसा कि उनकी मां किया करती थीं ।

|v28

लूसी के समान, अपने स्वयं की गवाही को मजबूत करने, व्यक्तिगत तौर पर या बच्चों के साथ धर्मशास्त्रों का अध्ययन और प्रार्थना करके हमें, उन्हें औ र युवाओं को दिखाना होगा कि कैसे वे अपने विश्वास और यीशु मसीह की अपनी गवाही को मजबूत करें ।

|v29

लूसी के विपरित, आज हम बाइबिल के अलावा अन्य धर्मशास्त्र से आशीषित हैं । अनन्त जीवन के मार्ग पर ''हमारे सुरक्षित मार्गदर्शन''10 के लिए ह मारे पास अन्तिम-दिनों के धर्मशास्त्र और अन्तिम-दिनों के भविष्यवक्ताओं के शब्द हैं । मॉरमन की पुस्तक से हम मार्ग के उन लोगों के विषय में जान ते हैं जिन्होंने ''निरन्तर रूप से लोहे की छड़ को पकड़ रखा है,''11 ''परमेश्वर के शब्द'' से इसकी तुलना करते हुए ।12 आज के प्रलोभन से भरे हुए संसार में, ''कस कर पकड़े रहना'' चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जब शैतान अपने बेईमान तरीकों से हमें परमेश्वर के मार्ग से हटाने का प्रयास करता है । यदि हमारा एक हाथ छड़ पर है और दूसरा संसार में, हम अपने बच्चों और युवाओं को पथभ्रष्ट होने के खतरों में डालते हैं । यदि हमारा उदाहरण अस्पष्ट हो, तब याकूब के शब्दों में, ''[अपने] गलत उदाहरण के कारण हम [अपने] बच्चों का आत्मविश्वास खो देते हैं ।''13

|v30

माता-पिता, दादा-दादी/नाना-नानी और मार्गदर्शक, आपका संदेश स्पष्ट होना चाहिए । स्पष्टता केवल दोनों हाथों को छड़ पर रखने से आती है और धर्म शास्त्रों में पायी जानेवाली सच्चाइयों और अन्तिम-दिनों के भविष्यवक्ताओं के शब्दों के पालन से आती है । हो सकता आप एक भविष्यवक्ता का लालन -पालन नहीं कर रहे जैसा कि लूसी ने किया था, परन्तु निश्चित रूप से आप भावी मार्गदर्शकों का लालन-पालन कर रहे हैं, और आपकी क्रियाएं उतनी ही स्पष्ट रूप से उनके विश्वास से जुड़ी हैं ।

|v31

अगला, शुद्धता में विश्वासियों का उदाहरण बनें । अपने उद्धारकर्ता का प्रायश्चित ही हमारे लिए शुद्ध रहने का एकमात्र तरीका है । हममें से प्रत्येक के लिए, शुद्ध होने की प्रक्रिया विश्वास, पश्चाताप, और पहला अनुबन्ध बपतिस्मा से शुरू होती है ।

|v32

बपतिस्मा के अनुबन्ध का पालन करने में अपने बच्चों की सहायता के लिए, एल्डर रॉबर्ट डी. हेल्स ने सलाह दी थीः ''हम सीखाते हैं कि जैसे ही वे ब पतिस्मा के पानी से बाहर आते हैं, वे संसार में और परमेश्वर के राज्य में कदम रखते हैं । अनुबन्ध के द्वारा, वे उसकी आज्ञाओं को मानने की सहमति देते हैं ।''14

|v33

''परमेश्वर के प्रति अपनी समर्पणता का सम्मान करने के लिए अनुबन्ध हमपर एक सशक्त दायित्व डालते हैं । अपने अनुबन्धों का पालन करने के लि ए, हमें उन गतिविधियों और रूचियों को छोड़ देना चाहिए जो उन अनुबन्धों का सम्मान करने से हमें रोकती हैं ।''15

|v34

अनुबन्ध बनाने के इस पवित्र दायित्व को और शुद्धता की उन आशीषों की समझ के लिए जो अनुबन्धों के पालन से आती हैं, युवाओं की समझने में सहायता के लिए *युवाओं के बल के लिए* एक बहुत ही अच्छा साधन है । इसमें अन्तिम-दिनों के भविष्यवक्ताओं के शब्द---लोहे की छड़ है जो कि सी धे और संकरे मार्ग पर कुशलतापूर्वक उनका मार्गदर्शन करेंगे, उन्हें शैतान के बहकावे से दूर रखेंगे जो उनके विकास को विलंबित कर सकता है । इस पुस्तिका में, आप कई आशीषें भी पाएंगे जो कि आज्ञाकारिता से और उसे खोजने से आती हैं जो ''सदगुणी, [और] स्नेही है ।''16

|v35

माता-पिता, इस पुस्तिका की एक व्यक्तिगत प्रति प्राप्त करें और प्रायः उसे पढ़ें । स्वयं स्तरों का पालन करें । युवाओं के साथ विचारणीय सुसमाचार की चर्चा करें जो उन्हें आदर्शपूर्ण जीवन जीने की उनकी स्वयं की इच्छा को विकसित करने में और उनके स्वयं के लिए स्तरों के अर्थ और उद्देश्य को खोजने में उनकी मदद करेगी ।

|v36

खण्ड ''मनोरंजन और माध्यम'' और ''पहनावा और दिखावट'' में पाये जानेवाले स्तर अत्याधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि वे संसार के स्तरों के विपरित हैं ।

|v37

अपने व्यक्तिगत माध्यम चुनावों के द्वारा हमें उसका उदाहरण होना चाहिए जो सदगुणी और स्नेही है । हमें ध्यान देना चाहिए कि जिस माध्यम को हम अपने घरों में लाते हैं उससे आत्मा की संवेदनशीलता मन्द न पड़े, अपने परिवार और मित्रों के साथ हमारे संबंधों को नुकसान न पहुँचे, या वे व्यक्तिगत प्राथमिकताएं प्रकट न हों जो सुसमाचार सिद्धान्तों के विपरीत हैं । उदाहरण के द्वारा हम अपने बच्चों की समझने में सहायता कर सकते हैं कि इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, और सेल फोन; विडियो गेम्स खेलना, या टेलिविजन देखना हमें उत्पादक गतिविधियों और दूसरों के साथ मूल्यवान पारस्परिक क्रियाओं को करने से दूर रखते हैं ।

|v38

अपने पहनावे और दिखावे के द्वारा हमें उसका उदाहरण होना चाहिए जो सदगुणी और स्नेही है । अनुबन्धित लोगों के रूप में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने शरीर की देखभाल और सुरक्षा के लिए, उचित कपड़े पहनें । हमें अपने बच्चों और युवाओं की समझने में सहायता करनी चाहिए कि हम मन्दिर के समान और परमेश्वर से मिले उपहारों के समान अपने शरीर का आदर करते हैं ।17 तंग, भड़कीले, या अगं प्रदर्शन करने वाले कपड़े खरीदने या पहनने से मना करके हम उदाहरण कायम करते हैं ।

|v39

अनुबन्ध का पालन करनेवाले लोग परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम आरै उसकी प्रतिज्ञा की गई आशीषों के कारण ''पूरे समय … और हर जगह पर''18 आज्ञाकारी होने का प्रयास करते हैं । एक शाम, अपने पति के साथ चलते हुए, हम एक वैवाहिक समारोह के सामने से गुजरे । हम उन लोगों को नहीं जानते थे, फिर भी शालीनता का तुरन्त एहसास हुआ था । संगीत और पहनावे का उनका चुनाव बहुत अच्छा था । दुल्हन का सुंदर सा गाउन निश्चित रूप से शालीन था, और उसके वैवाहिक परिचिरों के कपड़े उतने ही शालीन थे । इस परिवार ने उस दिन की पवित्रता को संसार के तरीकों को दूर रखने का चुनाव किया था ।

|v40

अब, मैं अपने गिरजाघर के बहुत ही अच्छे युवाओं के लिए कुछ कहना चाहती हूं । आपके मित्रों, मार्गदर्शकों, और परिवारों के प्रति आपके नेक उदाहरण के लिए धन्यवाद । मैं जानती हूं कि आप में से कई ऐसे हैं जो अपने परिवार से गिरजाघर के एकमात्र सदस्य हैं । आप गिरजाघर में अकेले उपस्थित होते हैं । मैं आपकी वचनबद्धता और आपके नेक उदाहरण के लिए आपकी प्रशंसा करती हूं । धैर्य रखें और धार्मिकता से जीवन जीना जारी रखें । ऐसे कई लोग हैं जो आपकी सहायता कर सकते हैं । अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था, ''एक आदर्श परिवार भी … उन पुरुषों [और स्त्रियों] की मदद ले सकते हैं जो वास्तव में लोगों का ध्यान रखते हैं ।''19

|v41

अपने वार्ड और स्टेक में उन मार्गदर्शकों और मित्रों को खोजें जो कि विश्वासियों के उदाहरण हैं और उनसे सीखें ।

|v42

जब मैं एक युवा स्त्री थी, मैंने विश्वासियों के उदाहरण को पहचाना था। मेरे माता-पिता के अतिरिक्त, एक उदाहरण मेरी आँटी कार्मा कटलर थीं। मुझे अच्छी तरह से याद है कि जब मैं सोलह वर्ष की थी उन्होंने स्टेक की स्तरों की रात्रि-सभा के समय बोला था। उन्होंने शुद्ध रहने और एक मन्दिर विवाह के महत्व को सीखाया था। उनकी गवाही ने मुझे गहराई तक छू लिया था। मैंने उनके सदगुण से भरे जीवन का आंकलन तब से किया था जब मैं एक छोटी सी लड़की थी, और मुझे पता था उनका जीवन उनकी शिक्षाओं से मेल खाता था। मैं उनके उदाहरण का अनुसरण करना चाहती थी।

|v43

युवक और युवतियां, विश्वास और शुद्धता में विश्वासियों का उदाहरण होने के द्वारा आप आज से आरंभ कर सकते हैं। धर्मशास्त्र अध्ययन और प्रार्थना के द्वारा अपने विश्वास और गवाही को मजबूत करें। अपने बपतिस्मा के अनुबन्ध का पालन करें जो कि पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन के लिए आपको शुद्ध और योग्य रखेगा। दूसरों के अनुसरण के लिए आप आज ही वैसा उदाहरण बनना आरंभ कर सकते हैं।

|v44

आपको पता नहीं होता है--- आप एक उदाहरण हो सकते हैं जिसकी आवश्यकता किसी दिन मेरी छोटी सी रूबी को होगी। अभी के लिए, अनन्त जीवन के मार्ग पर रूबी ने बहुत बढ़िया आरंभ किया है। उसके माता-पिता उसके घर में धार्मिकता का उदाहरण रख रहे हैं, विश्वासियों के उदाहरण बनने की निश्चय के साथ हर दिन आरंभ करते हुए। आशा है, अपनी स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए, रूबी अनुसरण करना चुनेगी।

|v45

आनन्द की योजना के लिए मैं आभारी हूं, और मैं गवाही देती हूं कि यही एकमात्र तरीका है जिससे रूबी--- और हममें से प्रत्येक--फिर से शुद्ध हो सकता है और सदा के लिए परमेश्वर की उपस्थिति में रह सकता है। शायद हममें से प्रत्येक आज आरंभ कर सके। यीशु मसीह के नाम में, आमीन।

|v46

विवरण

|v47

1.

|v48

देखें इब्राहीम 3:22-26।

|v49

2.

|v50

देखें नीतिवचन 31:10।

|v51

3.

|v52

1 तीमुथियुस 4:12।

|v53

4.

|v54

Teachings of Presidents of the Church: Brigham Young (1997), 173।

|v55

5.

|v56

1 तीमुथियुस 4:12।

|v57

6.

|v58

देखें लूसी मैक स्मिथ, *History of Joseph Smith by His Mother, संपादक* Scot Facer Proctor and Maurine Jensen Proctor (1996), 50।

|v59

7.

|v60

देखें जोसफ स्मिथ---इतिहास 1:11–12।

|v61

8.

|v62

स्मिथ, *जोसफ स्मिथ इतिहास,* 58 ।

|v63

9.

|v64

स्मिथ, *जोसफ स्मिथ इतिहास, 69* ।

|v65

10.

|v66

“The Iron Rod,” *Hymns,* no.274 ।

|v67

11.

|v68

1 नफी 8:30 ।

|v69

12.

|v70

1 नफी 11:25 ।

|v71

13.

|v72

याकूब 2:35।

|v73

14.

|v74

रॉबर्ट डी. हेल्स, *Return: Four Phases of Our Mortal Journey Home* (2010), 60।

|v75

15.

|v76

Preach My Gospel: A Guide to Missionary Service (2004), 63।

|v77

16.

|v78

विश्वास के अनुच्छेद 1:13।

|v79

17.

|v80

देखें 1 कुरिन्थियों 3:16।

|v81

18.

|v82

देखें मुसायाह 18:9।

|v83

19.

|v84

थॉमस एस. मॉनसन, “Examples of Righteousness,” *Liahona*, मई 2008, 66।

|v85

लियाहोना

|v86

नवंबर 2010